>

Title: Regarding the heavy damage caused by unseasonal rains and hailstorm witnessed in various districts of Madhya Pradesh.

श्री शिवराज सिंह चौहान (विदिशा) : माननीय अध्यक्ष महोदय, एक बार फिर से मध्य प्रदेश में प्रकृति किसानों पर कहर बनकर टूटी है। पिछले दिनों भयानक ओलावृटि, असमय बर्सात और आसमानी बिजली के कारण मध्य प्रदेश में किसानों की फसल पूरी तरह से नट हो गई, चौपट हो गई। स्थिति इतनी भयानक थी कि लगभग दो दर्जन लोग मारे गए, सैक्ड़ों पशुओं की मौत हुई और लाखों हैक्टेयर जमीन में गेहूं और चने की खड़ी शानदार और लहलहाती फसल पूरी तरह से नट, तबाह और बर्बाद हो गई।

महोदय, मध्य प्रदेश में अकेले मेरे जिले में, मैं जिस संसदीय क्षेत्र से आता हूं वहां 500 लोग ओले की मार से घायल हो गए, कच्चे मकान पूरी तरह नट और चौपट हो गए। मध्य प्रदेश सरकार अपनी तरफ से राहत देने का काम कर रही है, लेकिन तबाही इतनी व्यापक है कि अकेले सरकार के वश का यह रोग नहीं है। इसलिए मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से निवेदन करता हूं कि वह तत्काल एक केन्द्रीय दल मध्य प्रदेश में भेजे ताकि वह नुकसान का जायजा ले। इससे मध्य प्रदेश के रायसेन और विदिशा सहित लगभग 24 जिले प्रभावित हुए हैं। इनमें किसानों को राहत और मुआवजा देने के लिए सरकार तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान करे।

महोदय, किसान की आय का, किसान की फसल का, जब तक बीमा नहीं होगा, तब तक उन्हें लाभ प्राप्त नहीं होगा। जब एन.डी.ए. सरकार थी, तब 20 जिलों में इन्कम इंश्योरेंस स्कीम लागू की गई थी। वह स्कीम देश के सभी जिलों में लागू की जाए क्योंकि जब तक किसान की फसल का, किसान की आय का बीमा नहीं होगा, तब तक किसान पनप नहीं सकता। इस बारे में सरकार गम्भीरता से विचार करे। इस साल का किसानों का कर्जा माफ किया जाए और अगले साल की फसल हेतु किसानों के लिए खाद और बीज की व्यवस्था की जाए। फसलें नट होने के कारण जो खेतिहर मजदूर हैं, उनका भी रोजगार छिन गया है। इसलिए उन्हें रोजगार देने के लिए व्यापक पैमाने पर राहत के काम प्रारम्भ किए जाएं। आपके माध्यम से मेरा सरकार से यही निवेदन है। धन्यवाद।

MR. SPEAKER: Hon. Members Shri Mahendra Prasad Nishad, Shri Ajit Kumar Singh, Shri Ashok Argal, Dr. Rajesh Mishra and Shri Rajnarayan Budholia have given notices on identical issues. That shows the importance of the matter. I would request the hon. Members to associate themselves with this matter. The hon. Minister is here. I am sure he has heard about it. It is up to him to consider. Thank you very much for your kind cooperation.